



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

अधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 182]
No. 182]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 12, 1979/ज्येष्ठ 22, 1901
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 12, 1979/JYAISTHA 22, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 12 जून, 1979

सां०का०नि० 370(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सां०का०नि० 688(अ) तारीख 9 नवम्बर, 1977 में, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की समाप्ति से, निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक—

(क) पत्तन शुल्क किसी ऐसे जलयान पर, जो अस्थायी/मृत्त कर्जोदय को उतारने के लिये प्राप्त है, उद्योगीय नहीं होगा।

(ख) अन्य पत्तनों से भारमुग्राप्त पत्तन में प्रवेश करने वाले और अपने ही उपयोग के लिये समान, पानी, बकट कोयला या तरल

ईंधन को लेने वाले जलयानों पर उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट दरों से आधी दरों पर पत्तन शुल्क प्रभारित किया जायगा।

(ग) अन्य पत्तनों से भारमुग्राप्त पत्तन में प्रवेश करने वाले ऐसे जलयानों पर जो जलयान से कोई स्थायी या यात्री उतारने या उस पर चढ़ाने नहीं हैं (ऐसी पुनः लड़ाई या उतराई को छोड़कर को मरम्मत के प्रयोजन के लिये आवश्यक है) उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट दरों से आधी दरों पर पत्तन-शुल्क प्रभारित किया जायगा,

(घ) जली, बीनी, सीमेंट, चाब घनाज, चाब घनाज, मशीनरी, और अन्य साधारण स्थायी (अस्थायी और पी एच उत्पाद से भिन्न) की लड़ाई उताराने करने वाले सभी जलयानों पर मार्गदर्शन फीस, उपरोक्त दर के 50 प्रतिशत के हिसाब से प्रभारित की जायगी परन्तु यह तब जब कि सम्हाला गया स्थायी 5000 मीट्रिक टन से अधिक नहीं है, ‘संभाला गया स्थायी’ से पत्तन पर घाने के पश्चात् एक समूह में जलयान द्वारा संभालित कुल भारात और निर्यात अभिप्रेत है।”

[सां०का०नि० 688(अ) तारीख 9-82/78]

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12th June, 1979

G.S.R. 370(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33, read with section 34, of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. G.S.R. 689(E), dated the 9th November, 1977 with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, namely :—

After the Schedule to the said notification, the following note shall be inserted, namely :—

"Note—For a period of one year from the date of enforcement of this notification—

- (a) Port dues shall not be levied on any vessel calling for disembarking sick/deceased crew.
- (b) Vessels entering the Port of Mormugao from other ports and taking in only provisions, water, bunker coal or liquid fuel for their own consumption, shall be charged port dues at one half of the rates specified in column 2, of the said schedule.
- (c) Vessels that enter the port of Mormugao from other ports but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for purpose of repair) shall be charged port dues at one half of the rates specified in column 2, of the said Schedule.
- (d) All vessels loading/unloading oil cakes, sugar, cement, foodgrains, fertilisers, machinery and other general cargo (other than the ores and the POL products) shall be charged port dues at one half of the rates, specified in column 2, of the said schedule: provided the cargo handled does not exceed 5,000 metric tonnes. "Cargo handled" means both the import as well as export, taken together handled by a vessel at a time after calling at the Port."

[F. No. PGR-82/78]

सांख्यिकी 371(प्र).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश,

1967 में संशोधन करने के निम्न निम्नलिखित आदेश कर्त्ता है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) संशोधन आदेश, 1979 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा और एक वर्ष तक प्रवृत्त रहेगा।

2. मारमुगाओ पत्तन मार्गदर्शन (फीस) आदेश, 1967 की अनुसूची में भाग क में, प्रविष्टि (1) के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तर्भावित किया जायगा, अर्थात् :—

"टिप्पण : खली, चीनी, सीमेंट, खाद अनाज, खाद अनाज, मशीनरी और अन्य साधारण स्थोरा (अयस्क और ओ ओ एल उत्पाद से भिन्न) की लोडिंग/उन्लोडिंग करने वाले सभी जलयानों पर मार्गदर्शन फीस, उपरोक्त दर के 50 प्रतिशत के हिसाब से प्रभाविता की जायेगी परन्तु यह तब जब कि संज्ञाया गया स्थोरा 5000 मीट्रिक टन से अधिक नहीं है, 'संभाषा गया स्थोरा' से पत्तन पर आने के पश्चात् एक समय में जलयान द्वारा संभाषित कुल आयात और निर्यात अभिवृत्त है।"

[फा.सं. पीजीआर-83/78]

सुदर्शन वसुदेव, उप सचिव

G.S.R. 371(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, namely :—

1. (1) This order may be called the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Amendment Order, 1979.

(2) It shall come into force at once and be in force for one year.

2. In the Port of Mormugao Pilotage (Fees) Order, 1967, in the Schedule, in part A, after entry (1), the following note shall be inserted, namely :—

"Note : All vessels loading/unloading oil cakes, sugar, cement, foodgrains, fertilisers, machinery and other general cargo (other than the ores and the POL products) shall be charged pilotage fees at 50 per cent of the above rate, provided the cargo handled does not exceed 5000 metric tonnes. "Cargo handled" means both the import as well as export, taken together, handled by a vessel at a time after calling at the port."

[F. No. PGR-83/78]

S. VASUDEV Dy. Secy.